

जंगल से मिला लापता बुजुर्ग का शव

बीस दिन पहले हरिद्वार जाने निकले थे घर से।
बेटे ने जताई जंगली जानका के हमले की आशंका

शाह टाइम्स संबाददाता रामनगर के ग्राम बेलाग क्षेत्र के पास जंगल में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिलने से शका में हड़कंध मच गया। आसपास के लोगों ने जब शव को देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर जंगल की कच्चे में लेकर जॉब पूरे कर दी।
मिली जानकारी के अनुसार मृतक को पहचान महान लाल पुत्र लक्ष्मण 75 वर्षीय पुरुष श्री लाल, निवासी किशनपुर छाई, रामनगर के

रूप में हुई बताया जा रहा है कि सोहन लाल करीब 20 दिन पहले घर से हरिद्वार जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन उसके बाद से यात्राओं पर जाते थे, लेकिन इस बार वे लौटकर नहीं आए। कुमाल ने आशंका जताई है कि संभवतः वापसी के दौरान किसी जंगली जानवर ने उन पर हमला कर दिया हो जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक को शव बुरी तरह सड़ा-गला मिला है, जिसमें अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत करीब 10 से 15 दिन पहले हुई होगी, फिलहाल पुलिस ने बुधवार को शव को पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परीक्षण को सौंप दिया गया है।
कोतावाल सुशील कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों को पता चलेंगे। उन्होंने बताया कि मामले को जांच का जो रही है।

सड़क एक्सीडेंट में घायल वनकर्मियों ने इलाज के दौरान तोड़ा दाम के दौरान तोड़ा दाम

घायल वन कर्मियों ने इलाज के चलते तोड़ा दाम वन विभाग में शोक की लहर

शाह टाइम्स संबाददाता खटौती। सड़क दुर्घटना में घायल वनकर्मियों ने इलाज के दौरान निजी अस्पताल में दम तोड़ा जिसे जिक्र के चलते वन विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। घायल वन कर्मियों चक्रपूर वन चौकी में तैनाती चल रही थी।
27 अक्टूबर देर रात गस्त को निकले वनकर्मियों सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें खटौती नगरिक अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। वन आरक्षी सिंह सिंह को घायल वन कर्मियों लाने से उसे इलाजो हारथ मेंटर रोकर कर दिया गया था, जबकि वन कर्मियों शुभम कुमार को भी पीछे छोड़ आंई श्री विभाज को निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

वहाँ ग्राम खिलौली जिला पिथौरागढ़ निवासी हेमंत सिंह पुत्र नरेंद्र सिंह का हल्द्वानी के चंदन होस्पिटल इलाज चल रहा था, जोकि विदरा मौत से लड़ते हुए बुधवार सुपन्न लक्षण 11:30 बजे हेमंत सिंह ने स्वर्ग लोक में अंतिम संविधान में शोक की लहर दौड़ गई। वन कर्मियों को मौत पर खटौती पसरओ संभला वना, खटौती वन क्षेत्र अधिकारी महेश चंद जोशी, सुई वन क्षेत्र अधिकारी जगेंद्र सिंह मंगल, वन रोगा अमर सिंह अधिकारी, वन रोगा अमर सिंह आदि ने शोक प्रकट किया।

नेता प्रतिपक्ष आर्य पहुंचे ग्राम गोबरा दाबका पार, हुआ स्वागत

शाह टाइम्स संबाददाता बाजपुर। नेता प्रतिपक्ष और क्षेत्रीय विधायक वरपाल आर्य बाजपुर विधायक के ग्राम गोबरा दाबका पार पहुंचे। जहां गोबरा दाबका पार के वासियों ने आर्य का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।



नेता प्रतिपक्ष वरपाल आर्य द्वारा गोबरा दाबका पार के वासियों को सम्बोधनाओं को सुना और गुरुद्वार के लिए षड लालों को घोषणा की गई। उन्होंने ग्राम गोबरा के राजपूत बेली में मीर का सौंदर्यकर के लिए सत लाल की घोषणा की। नेता प्रतिपक्ष वरपाल आर्य द्वारा ग्राम गोबरा पार में पुष्पा और मीर के सौंदर्यकर के लिए एक लाख 50 हजार की घोषणा की गई। उन्होंने 10 लाख लाइव वन पालिका के वांकेरों को नई नंबर 1 में 6.89 लाख रुपये की लागत से वापलाइन का

शिलान्यास किया और 5 लाख रुपये की लागत से बालाजी चार मंदिर के लिये का सौंदर्यकर किया। नेता प्रतिपक्ष वरपाल आर्य द्वारा बालाजी मंगराला चार मंदिर के लिए 5 लाख की घोषणा किया। नेता प्रतिपक्ष वरपाल आर्य द्वारा गोबरा दाबका पार के वासियों को सुनकर कवाल विभागीय अधिकारियों को निर्दिष्ट किया गया। इस मौके पर नैताल के पूर्व विधायक संजीव आर्य, बाजपुर ब्लॉक प्रमुख पंत जोरेश सिंह भुल्लर, सिधाराम, बंता सिंह, जिला

वििकासखंड स्तरीय सामाजिक विज्ञान महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

संध्या, शिवम और दिव्यांशी ने मारी बाजी

शाह टाइम्स संबाददाता चंपावत। जीआईसी लोहापार में सामाजिक विज्ञान महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वना, बीईओ चरनयाग भट्ट, डॉ नवीन जोशी द्वारा दीया प्रज्वलित कर किया गया। मेजबान छात्र छात्राओं तथा बी एड प्रशिक्षुओं द्वारा अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन जनपद सह समन्वयक प्रकाश चन्द्र उपाध्याय ने किया।
मुख्य अतिथि गोविंद वना ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों को एक बेहतर एजेंट बनाने में मदद मिलता है। उन्होंने बच्चों का अपन अपन सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करने। उन्होंने सभी बच्चों को हर प्रकार से स्वयं सहयोग प्रदान करने का वादा किया। विशिष्ट अतिथि डॉ



नवीन जोशी ने सामाजिक विज्ञान विषय के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला तथा बच्चों द्वारा किए गए प्रयासों को सराहना तथा बच्चों को और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। जनपद सह समन्वयक प्रकाश चन्द्र उपाध्याय ने बताया कि एएसटीआई ट्रेड की कई अभियान वक के तहत बच्चों पर आयोजित सामाजिक विज्ञान महोत्सव बच्चों को अपना जहाँ से जाइ रहा है। ऐसे आयोजनों से बच्चे अपनी संस्कृति और विरासत से जुड़े रहे हैं। श्री उपाध्याय द्वारा एएसटीआई, विजुअल, रैपिड फायर और बजर

राउंड के माध्यम से शानदार विभव प्रतियोगिता संपन्न करवाई गई। समापन में जिला समन्वयक डॉ आर्य ने प्रशिक्षुओं को आभार व्यक्त किया गया। समापन समारोह में अतिथियों द्वारा सस्कृति तथा प्रतिभाओं को फुरकुर किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुल समन्वयक चन्द्र लाल शर्मा, संजय भंडारी, निर्मल अधिकारी दीबान सिंह फरसाल, जगदीश चन्द्र, मीना पाण्डे, वीना वना, दीपक भट्ट, दीपक टट्टा, बुजुनरत सिंह, देवकी देवी आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दुग्ध संघ ने प्रत्येक गोठ में कोलेज गाय पालने के लिए किसानों को प्रेरित करने को कसी कम्मर

को भी आपूर्ति की जाती है। जिससे पशु स्वस्थ होगा तो उसके दुध को गुणवत्ता में सुधार आने से उत्पादक को उसका दुध का और अधिक दाम मिलेगा।
गोधर्मा में डॉ जावेद खान, डॉ तनुजा खर्कवाल, पी एंड आई एफएल चण्डी, मीन शमारी बीरौरा जयानी आदि द्वारा स्व उपकरणों को स्वच्छ एवं गुणवत्ता युक्त अधिक दुध के उत्पादन के उपाय बताए गए। उन्होंने दुध का दूधारणियों को पहचान भी बताई। दुध संघ प्रबंधक के साथ डेयरी के सहायक निदेशक सुनील अधिकारी द्वारा किसानों से स्पष्ट कहा जा रहा है कि वह प्रत्येक गोठ में उनपर नस्ल को गाय पालना शुरू करे। जितना दुध का अधिक उत्पादन करेंगे उतने उसका परिवार स्वस्थ होगा आमदनी बढ़ेगी और उन्हें सम्मान से जीने का अवसर मिलेगा।
दुग्ध संघ प्रबंधक ने किसानों को प्रेरित करने के लिए एक प्रदर्शनी के तहत दुध उत्पादकों को दुध का अच्छा मूल्य दिलाने के प्रयास में काम करना शुरू कर दिया है।

गोधर्मा में डॉ जावेद खान, डॉ तनुजा खर्कवाल, पी एंड आई एफएल चण्डी, मीन शमारी बीरौरा जयानी आदि द्वारा स्व उपकरणों को स्वच्छ एवं गुणवत्ता युक्त अधिक दुध के उत्पादन के उपाय बताए गए। उन्होंने दुध का दूधारणियों को पहचान भी बताई। दुध संघ प्रबंधक के साथ डेयरी के सहायक निदेशक सुनील अधिकारी द्वारा किसानों से स्पष्ट कहा जा रहा है कि वह प्रत्येक गोठ में उनपर नस्ल को गाय पालना शुरू करे। जितना दुध का अधिक उत्पादन करेंगे उतने उसका परिवार स्वस्थ होगा आमदनी बढ़ेगी और उन्हें सम्मान से जीने का अवसर मिलेगा।
दुग्ध संघ प्रबंधक ने किसानों को प्रेरित करने के लिए एक प्रदर्शनी के तहत दुध उत्पादकों को दुध का अच्छा मूल्य दिलाने के प्रयास में काम करना शुरू कर दिया है।

केआईटीएम डिग्री कॉलेज में स्व. रोजगार प्रशिक्षण व कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स संबाददाता खटौती। केआईटीएम पूरु ऑफ इंटीयूटी में श्री शक्ति दर्पण 2025 के अंतर्गत स्व-रोजगार प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र को महिमाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विभिन्न रोजगारप्रकल्प कोशरों से परिचित करने के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण द्वारा किए गए निर्देशों के तहत दुध उत्पादकों को दुध का अच्छा मूल्य दिलाने के प्रयास में काम करना शुरू कर दिया है।

श्री शक्ति दर्पण 2025 के अंतर्गत महिला स्वयंसेविकाओं को शिक्षा में एक सराहनीय पल
अध्यक्षा किरण शर्मा ने की और संयोजक के रूप में गीता गोस्वामी उपस्थित रही। होटल प्रबंधन विभागाध्यक्ष रविंद्र सिंह महर एवं दिव्यांशा विभागाध्यक्ष हेम जोशी ने बंकेरी एवं फास्ट फूड जैसे सौंदर्य, फेस, स्किन आदि, बॉन्स एवं फाइट-शिवल सेनेमंठ विभागाध्यक्ष हेम गोस्वामी ने बचत के आधुनिक तरीकों के रूप में मौजूद। कार्यक्रम को

श्री शक्ति दर्पण 2025 के अंतर्गत महिला स्वयंसेविकाओं को शिक्षा में एक सराहनीय पल
अध्यक्षा किरण शर्मा ने की और संयोजक के रूप में गीता गोस्वामी उपस्थित रही। होटल प्रबंधन विभागाध्यक्ष रविंद्र सिंह महर एवं दिव्यांशा विभागाध्यक्ष हेम जोशी ने बंकेरी एवं फास्ट फूड जैसे सौंदर्य, फेस, स्किन आदि, बॉन्स एवं फाइट-शिवल सेनेमंठ विभागाध्यक्ष हेम गोस्वामी ने बचत के आधुनिक तरीकों के रूप में मौजूद। कार्यक्रम को

श्री शक्ति दर्पण 2025 के अंतर्गत महिला स्वयंसेविकाओं को शिक्षा में एक सराहनीय पल
अध्यक्षा किरण शर्मा ने की और संयोजक के रूप में गीता गोस्वामी उपस्थित रही। होटल प्रबंधन विभागाध्यक्ष रविंद्र सिंह महर एवं दिव्यांशा विभागाध्यक्ष हेम जोशी ने बंकेरी एवं फास्ट फूड जैसे सौंदर्य, फेस, स्किन आदि, बॉन्स एवं फाइट-शिवल सेनेमंठ विभागाध्यक्ष हेम गोस्वामी ने बचत के आधुनिक तरीकों के रूप में मौजूद। कार्यक्रम को

नाली और टाइल्स रोड के निर्माण को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

रास्ते में गंदा पानी भरा रहने से तेजी से पनप रहा डेगू मच्छर

शाह टाइम्स संबाददाता बाजपुर। गांव बाजपुर ग्राम प्रधान आनंदा शक्ति तसवुर अली सांनू ने गांव बाजपुर, निवासी नाजमा के साथ बाजपुर एएसडीएम कार्यालय पहुंचे। ग्राम प्रधान आनंदा शक्ति तसवुर अली सांनू ने महिला नाजमा के भ्रमों के सामने रखे सभी निवासियों के लिए नाली और टाइल्स रोड का निर्माण कराए जाने की मांग को लेकर एएसडीएम डा. अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपा। एएसडीएम द्वारा गांव बाजपुर के ग्राम प्रधान आनंदा शक्ति तसवुर अली सांनू को आश्वासन देते कहा गांव बाजपुर निवासी



नाजमा को मकान के सामने कच्चे पानी के गंदे पानी की बिकाने के लिए नाली निर्माण और टाइल्स रोड का जल्द निर्माण कराया जाय।
ज्ञापन के माध्यम से एएसडीएम डा. अमृता शर्मा को अवगत कराया गया कि बाजपुर गांव बाजपुर निवासी नाजमा पति अली हदीन मकान के सामने कच्चा रोता है। इस रास्ते में गंदा पानी भर रहने से डेगू मच्छर तेजी से पनप रहा है और डेगू मच्छरों जैसी बीमारियों बढने लगी हैं, क्योंकि रास्ते में गंदा पानी

भर रहने से गांव बाजपुर में डेगू का प्रसार तेजी से बढ़ रहा है। इलाक़े के मकानों के सामने रास्ते में भर पानी निकालने के लिए नाली निर्माण और टाइल्स रोड का जल्द निर्माण कराया जाय।
ज्ञापन के माध्यम से एएसडीएम डा. अमृता शर्मा को अवगत कराया गया कि बाजपुर गांव बाजपुर निवासी नाजमा पति अली हदीन मकान के सामने कच्चा रोता है। इस रास्ते में गंदा पानी भर रहने से डेगू मच्छर तेजी से पनप रहा है और डेगू मच्छरों जैसी बीमारियों बढने लगी हैं, क्योंकि रास्ते में गंदा पानी

को भी आपूर्ति की जाती है। जिससे पशु स्वस्थ होगा तो उसके दुध को गुणवत्ता में सुधार आने से उत्पादक को उसका दुध का और अधिक दाम मिलेगा।
गोधर्मा में डॉ जावेद खान, डॉ तनुजा खर्कवाल, पी एंड आई एफएल चण्डी, मीन शमारी बीरौरा जयानी आदि द्वारा स्व उपकरणों को स्वच्छ एवं गुणवत्ता युक्त अधिक दुध के उत्पादन के उपाय बताए गए। उन्होंने दुध का दूधारणियों को पहचान भी बताई। दुध संघ प्रबंधक के साथ डेयरी के सहायक निदेशक सुनील अधिकारी द्वारा किसानों से स्पष्ट कहा जा रहा है कि वह प्रत्येक गोठ में उनपर नस्ल को गाय पालना शुरू करे। जितना दुध का अधिक उत्पादन करेंगे उतने उसका परिवार स्वस्थ होगा आमदनी बढ़ेगी और उन्हें सम्मान से जीने का अवसर मिलेगा।
दुग्ध संघ प्रबंधक ने किसानों को प्रेरित करने के लिए एक प्रदर्शनी के तहत दुध उत्पादकों को दुध का अच्छा मूल्य दिलाने के प्रयास में काम करना शुरू कर दिया है।

दो वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया

शाह टाइम्स संबाददाता बाजपुर। वारंटिफ्टर पुलिस अधीक्षक जसपूर कुमारी महार नगर द्वारा अग्रपुत्र चक्रु अभियान के अंश में पुलिस द्वारा दो को गिरफ्तार कर मोहल्ला न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।
प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस द्वारा वारंटियों के विरुद्ध पलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक कारीपूर, क्षेमप्रकाश कारीपूर के आदेशानुसार दिनांक 11/11/25 को कोतावली जसपूर

पुलिस टीम द्वारा प्रांतियक न्यायालय बाजपुर द्वारा अनर्तन 147/ 222/ 324/ 506/506 IPC में जारी वारंट पर वापसी विरामन पुर सरार और अमान पुर इमरार निवासी मोहल्ला न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।
अभिपुत्र को न्यायालय पेश कर अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगा। पकड़ने वाली पुलिस टीम में एसआई ललित सिंह, कां. कुलदर, प. सिंह, इर सिंह आदि मौजूद रहे।

एक नजर

भाजपा नेताओं ने पौड़ी सांडव अजिल बलूनी को दिल्ली में सौंपा पत्र

शाह टाइम्स संबाददाता रामनगर। रामनगर में बीजेपी 23 अक्टूबर को भाजपा नेताओं हिंदुवादी संगठन के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों पर बुलियर प्रशासन में मुकदमे दर्ज किए थे।
भाजपा नेताओं ने जेठू प्रकर को लेकर पौड़ी सांडव अजिल बलूनी से मिलकर इस प्रकरण की निष्पक्ष कर कार्रवाई को लेकर उद्योग दिल्ली में मुकदमा के (उन्होंने कहा कि हिंदुवादी संगठनों के लोगों पर लगे दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच को (उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के द्वारा झूठी सूचना दी गई थी) शीघ्र दायन भाजपा के पूर्व प्रशासकी अधिकारी निरमल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष धरमचरण शर्मा, पौंसवाला मंडल अध्यक्ष बलदेव रावत, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा, नौमा मण्डल/किरण रावत, अंजना सुंदरियाल, मन्ना पौंडे आदि मौजूद रहे।

कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड के अध्यक्ष ने किया मंडी का भ्रमण

शाह टाइम्स संबाददाता रामनगर। रामनगर मंडी को उदरगुंड को आरंभ मंडी बनाना है यह बात कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर अनिल कपूर डब्ल्यू ने रामनगर मंडी प्रमण के दौरान बुधवार को कही। उन्होंने कहा कि छात्रावास कारोबार फल कारोबार को मंडी में स्थानित किया जाएगा, मंडी में फल मंडी के लिए वन निवृत्त टीन शैड के पाठ आठ दुकानों का निर्माण किया जाएगा, खाली भूखण्ड पर पर दुकानों का निर्माण कर दुकान विद्यन आदित्यो को आसंदि किया जाएगा।
उन्होंने कहा कि मंडी की ओरिफर सड़कों का इस्तर लाक टाइल्स से निर्माण किया जाएगा और किसानों के लिये न्यूनतम दायरे पर भाजपा एवं डॉम स्टै का निर्माण किया जाएगा। प्रमण के दौरान मंडी को सफाई व्यवस्था पर नाजोगी व्यक्त करते हुए एक सप्ताह में झाड़ियों की कटाई कराने के निर्देश जारी किए और मंडी क्षेत्र में निर्माण के निर्देश दिए कि मंडी को सभी दुकानों का सखिरे रेड डिक्लेर कर दुकानों को लोड पर रेडर स्टांभिक का अर्थकार किया जाय। मंडी क्षेत्र में सखिरे रेडिटर अउरस्टे में अध्यक्ष की सभी बाकी का स्वगत स्वगत किया। इस अवसर पर देवभूमि उपांग व्यूपा मंडल के प्रतीय अध्यक्ष हनुमंत सिंह कुंवर, हेम शर्मा, अंजलि शर्मा, ललित मंडल पाण्डेय, ए के सिंह, बच्चे लाल दुद, दीपक पाठक, सुदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

चेयरमैन जोशी ने सेफ्टी वाल निर्माण का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संबाददाता खटौती। मेलाघाट रोड पर रेलवे फाउंड के बाद आवास विकास के सामने लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सेफ्टी वाल का नगर पालिका अध्यक्ष रमेश जोशी में स्थलीय निरीक्षण किया। जहां लोक निर्माण विभाग के एई प्रकाश तिवारी भी मौजूद रहे। पालिकाध्यक्ष जोशी ने सेफ्टी वाल को लंबाई एवं चौड़ाई मानकों के अनुरूप बनाने के निर्देश दिए।
आपकी बता रहे कि लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 21 करोड़ रुपये की लागत से मेलाघाट मार्ग का निर्माण किया जा रहा है एवं सड़क के दोनों तरफ 3.30 मीटर की चौड़ाई बरदाई जा रही है। रेलवे परदे से कर कर कोलोन के बीच मार्ग संकर है एक तरफ नाला बने के कारण आदि दुर्घटनाएँ होती रहती है। इस बचक से मार्ग की चौड़ाई बढाना जरूरी है जिसको लेकर नगर के एक तरफ सेफ्टी वाल बनकर रेल चौड़ाई करने का काम किया जा रहा है। जहाँ आवास विभागाध्यक्ष केराव भट्ट ने केनवा एड डिप्लिटर पोस्टर डिजाइनिंग, प्रकटांति एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डा. विवेक कुमार सक्सेना ने सौराश विभागीय प्लेटफार्मों जैसे गुगल विजनेस, फेसबुक, व्हाट्सएप विजनेस एवं इंस्टाग्राम के माध्यम से स्व. रोजगार के संधानानों पर जानकारी दी। कार्यशाला में 50 से अधिक महिलाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान ग्राम संगठन एवं दर्जा स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष मीना पाण्डे की अध्यक्षता में ग्राम प्रधान चंद्रकला रौतला ने विशेष सहभागिता निभाई।

किसानों की अनदेखी का आरोप लगा भाकियू ने हंगामा किया

शाह टाइम्स संबाददाता जसपूर। क्षेत्र की एकमात्र सहकारी चीनी मिल नांदेही के शुभारंभ को अवसर पर भारतीय किसान यूनियन के प्रदाधिकारी ने चीनी मिल प्रबंधन वगैरे किसानों को अनदेखी का आरोप लगाकर हंगामा किया।
12 नवंबर 2025 को राज्य की जसपूर क्षेत्र को एकमात्र सहकारी चीनी मिल में गन्ना पराई सत्र का शुभारंभ कार्यक्रम में चीन में पोली डालने के परचात कर अधिकियों को सम्मान कार्यक्रम चल रहा था जिसमें अत्याक अर्थिक और भाकियू के प्रदाधिकारियों ने प्रबंधन पर कुत्कों की अनदेखी का आरोप लगाकर हंगामा करना शुरू कर दिया, जिससे कार्यक्रम में अग्रप करी को सहित कर गया। युवा ब्लॉक अध्यक्ष अनमोल सिंह ने प्रबंधन वगैरे पर आरोप लगाए कि कुत्कों को डीप्लिटर के अंश में लोकर भाजपा के प्रदाधिकारी एवं नेताओं को बचाने व बचाने समारोह किया जा रहा है ऐसा करते से किसानों का अग्राम हो रहा है। सड़किय प्रबंधक वगैरे कुत्कों के गने को लेल कर कर मिल पाये काने का इस्तर करना चाहिए एवं तुलने मीके के पढ़ने से धान प्रबंधक कोपस प्रचालन और सौसीओ डा. राजीव कुमार ने कार्यकर्ताओं को सम्झा बुधकर शक्ति किया और बताया कि चीनी मिल दुकान का डीप लाना 20 करोड़ रुपया है तथा लगभग 05 हजार कुलदर नाला पूरा होने पर मिल सुचारु रूप से चला दी जाएगी। प्रबंधन वगैरे पर किसान मना गए और उसके परचात प्रबंधन वगैरे द्वारा कृषक नेताओं का स्वागत कर जलपान कराया गया।

शाह टाइम्स संबाददाता जसपूर। क्षेत्र की एकमात्र सहकारी चीनी मिल नांदेही के शुभारंभ को अवसर पर भारतीय किसान यूनियन के प्रदाधिकारी ने चीनी मिल प्रबंधन वगैरे किसानों को अनदेखी का आरोप लगाकर हंगामा किया।
12 नवंबर 2025 को राज्य की जसपूर क्षेत्र को एकमात्र सहकारी चीनी मिल में गन्ना पराई सत्र का शुभारंभ कार्यक्रम में चीन में पोली डालने के परचात कर अधिकियों को सम्मान कार्यक्रम चल रहा था जिसमें अत्याक अर्थिक और भाकियू के प्रदाधिकारियों ने प्रबंधन पर कुत्कों की अनदेखी का आरोप लगाकर हंगामा करना शुरू कर दिया, जिससे कार्यक्रम में अग्रप करी को सहित कर गया। युवा ब्लॉक अध्यक्ष अनमोल सिंह ने प्रबंधन वगैरे पर आरोप लगाए कि कुत्कों को डीप्लिटर के अंश में लोकर भाजपा के प्रदाधिकारी एवं नेताओं को बचाने व बचाने समारोह किया जा रहा है ऐसा करते से किसानों का अग्राम हो रहा है। सड़किय प्रबंधक वगैरे कुत्कों के गने को लेल कर कर मिल पाये काने का इस्तर करना चाहिए एवं तुलने मीके के पढ़ने से धान प्रबंधक कोपस प्रचालन और सौसीओ डा. राजीव कुमार ने कार्यकर्ताओं को सम्झा बुधकर शक्ति किया और बताया कि चीनी मिल दुकान का डीप लाना 20 करोड़ रुपया है तथा लगभग 05 हजार कुलदर नाला पूरा होने पर मिल सुचारु रूप से चला दी जाएगी। प्रबंधन वगैरे पर किसान मना गए और उसके परचात प्रबंधन वगैरे द्वारा कृषक नेताओं का स्वागत कर जलपान कराया गया।

दो वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया

शाह टाइम्स संबाददाता बाजपुर। वारंटिफ्टर पुलिस अधीक्षक जसपूर कुमारी महार नगर द्वारा अग्रपुत्र चक्रु अभियान के अंश में पुलिस द्वारा दो को गिरफ्तार कर मोहल्ला न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।
प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस द्वारा वारंटियों के विरुद्ध पलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक कारीपूर, क्षेमप्रकाश कारीपूर के आदेशानुसार दिनांक 11/11/25 को कोतावली जसपूर

पुलिस टीम द्वारा प्रांतियक न्यायालय बाजपुर द्वारा अनर्तन 147/ 222/ 324/ 506/506 IPC में जारी वारंट पर वापसी विरामन पुर सरार और अमान पुर इमरार निवासी मोहल्ला न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।
अभिपुत्र को न्यायालय पेश कर अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगा। पकड़ने वाली पुलिस टीम में एसआई ललित सिंह, कां. कुलदर, प. सिंह, इर सिंह आदि मौजूद रहे।

धमाके का पाक कनेक्शन

दिल्ली के लाल किले के पास हुए भीषण धमाके की धमक पाकिस्तान तक पहुंच गई है। जांच में खुलासा हुआ कि यह एक आत्मघाती हमला था जिसे डा. उमर नबी ने अंजाम दिया। इस हमले के तार फरीदाबाद आतंकी मोहम्मद, अल-फलाह यूनिवर्सिटी और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं। इसकी साजिश पुलवामा और पाकिस्तान में रचे जाने की आशंका है। क्योंकि गिरफ्तार महिला प्रफेसर डा. शाहीन का पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया है। डा. शाहीन भारत में जैश की महिला विंग की हेड हैं। जैश की महिला विंग का नाम जमात उल मोमिनात है, जिसे आतंकी मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर हैंडल करती है। सादिया का पति कंधार हाईजैक का मास्टरमाइंड है। गिरफ्तार डा. शाहीन के पास भारत में लड़कियों को भर्ती करने की जिम्मेदारी थी। देश की खुफिया एजेंसी को जानकारी मिली है कि यह धमाका पहलगायाम में पर्यटकों की हत्या किए जाने और उसके बाद भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाक में छुपे आतंकीयों के अड्डे नेस्तनाबूद करने के विरोध में था। इस बात से साफ है कि पाकिस्तान एक ओर दुनिया को बता रहा है कि वह आतंकवादियों पर कार्रवाई कर रहा है, दूसरी ओर वह आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। विपक्ष ने भारत सरकार पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हमला बोला था और कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर रोकने की जरूरत क्या थी। वास्तव में अगर भारत सरकार ने विपक्ष की चिंता को गंभीरता से लिया होता, तो शायद यह धमाका नहीं होता। इसका अंदाजा तो उसी समय हो गया था, जब जम्मू कश्मीर पुलिस ने हरियाणा के फरीदाबाद में छपा मारकर विस्फोटक सामग्री बरामद की थी। इस भीषण धमाके में कई लोगों की मौतें पर ही मौत हो गई और कई लोगों की हालत गंभीर है। ये कोई आम धमाका नहीं था, ये धमाका दिल्ली को दहला देने के लिए किया गया, जांच आगे बढ़ी तो चौंकारने वाले परिणाम हुए। ये एक आत्मघाती हमला था। धमाके के लिए भारी मात्रा में विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। सीसीटीवी से निकलकर जो तस्वीर सामने आई है, उसके आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है जिसने इस धमाके को अंजाम दिया है उसका नाम डॉक्टर उमर नबी है। शक है कि डॉक्टर उमर एक आत्मघाती हमलावर था। जांच में इस बात के भी संकेत मिले हैं कि धमाके में अमानियम नाइट्रेट और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया। फरीदाबाद आतंकी मोहम्मद से तहत पिछले दिनों गिरफ्तार तीन लोग भी इसी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े रहे हैं। हालांकि भारत दुनिया के अलग-अलग मंचों से इस बात को उठाता रहा है कि पाक ही आतंकीयों की पनाहगाह है, लेकिन अब केवल इससे काम चलने वाला नहीं है। जो वादा पीएम मोदी ने किया था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी रुका नहीं है, उसी वादे को फिर से शुरू करने की जरूरत है। भारत पहले इस बात को यूएनओ में रखे और पाकिस्तान पर चौरफा दबाव बनाकर आतंकीयों के अड्डों को नष्ट करने की जरूरत है। क्योंकि यह पहली बारदात नहीं है। पिछले 10 साल से भारत में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्हें देखते हुए भारत को अपनी विदेश नीति में नमान लाना होगा, जिससे पाकिस्तान को घेरा जा सके। देश में आतंकवादी हिंसा की बढ़ती घटनाओं के दृष्टिगत भारत में उभरती हुई एक सर्वसम्मति है कि आतंकवाद से निपटने के लिए एक सुदृढ़ विधायी ढांचा सृजित किया जाना चाहिए। यहाँ तक कि मानवाधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए भी आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में सुरक्षा बलों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

मुझे विभाजन नहीं, आशा दिखती है

उनकी सोच का 2047 का ऐसा भारत होना चाहिए जहाँ न हिंसा हो, न नफरत हो और न लोगों में किसी तरह का भय और गुस्सा हो, देश के जैन-जी की बातें और उनके विचारों की गहराई देखकर उन्हें इन बच्चों से बहुत उम्मीद है, हमें ऐसा भारत बनाना चाहिए जहाँ भाईचारा हो, हर आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और उसे विश्वास रहे कि वह कहीं भी असुरक्षित नहीं है, सबसे बड़ी बात आजादी की है, युवाओं को महसूस हो कि उनकी कल्पना के अनुरूप काम करने की इजाजत मिले, जब मैं युवा भारत से बात करता हूँ, तो मुझे विभाजन नहीं, आशा दिखती है।

—राहुल गांधी
नेता विपक्ष, लोकसभा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 9 नवंबर 2025 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट में 25वें राज्य स्थापना दिवस के मुख्य समारोह को सम्बोधित किया। गौर तलब है कि उत्तराखंड का गठन 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर हुआ था। इस समारोह में पीएम मोदी ने भारतीय ज्ञान परंपरा को राज्य की आध्यात्मिक धरोहर से जोड़कर युवाओं को प्रेरित करने का प्रयास किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के मकसद से इस आयोजन में भाग लेने हेतु प्रदेश के अनेक शिक्षण संस्थानों के छात्रों को लाने की व्यवस्था की गई थी। प्रधानमंत्री ने यहाँ अपने संबोधन में युवाओं से आह्वान किया कि वे प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ें। निश्चित रूप से योग व आयुर्वेद जैसी प्राचीन भारतीय ज्ञान सम्बन्धी कई बातें ऐसी हैं जिन पर देश को गर्व है परन्तु वास्तविक प्राचीन भारतीय ज्ञान की आड़ में पौराणिक कथाओं से प्राप्त ज्ञान को आज के वैज्ञानिक युग में ज्ञान बताते हुए छात्रों को भ्रमित करना, यह कहा तक उचित है? प्रधानमंत्री सहित देश के कई जिम्मेदार लोगों द्वारा समय समय पर देश के भविष्य के कर्णधार छात्रों व युवाओं को सम्बोधित करते हुए ऐसी अनेक बातें की जा चुकी हैं जिनका न केवल मजाक उड़ाया गया बल्कि एक बड़े वैज्ञानिक व शिक्षित वर्ग द्वारा इसका खंडन भी किया गया।

याद कीजिए अक्टूबर 2014 में जब रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के संदर्भ में मुंबई के एक अस्पताल में चिकित्सकों और पेशेवरों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भगवान गणेश के सिर पर हाथी का सिर लगाना प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी का प्रमाण है। हमारे देश ने चिकित्सा विज्ञान में जो हासिल किया था, उस पर गर्व महसूस कर सकते हैं। हम गणेश जी को पूजते हैं, जिनके सिर पर हाथी का सिर लगाया गया था। यह प्लास्टिक सर्जरी की प्रशंसा थी। मोदी के इस बयान की न केवल विपक्षी दलों द्वारा बल्कि वैज्ञानिकों द्वारा भी तीखी आलोचना की गई थी। इस आलोचना का कारण यह था कि मोदी का कथन पूर्णतः अवैज्ञानिक व तर्कहीन था, क्योंकि गणेश हिंदू पौराणिक कथा के चरित्र हैं यह कोई ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं। जबकि प्लास्टिक सर्जरी का आधुनिक विकास 19वीं सदी में जोसेफ कार्न्यू जैसे ब्रिटिश डॉक्टरों द्वारा किया गया था, परन्तु हाथी के सिर का मानव शरीर पर प्रत्यारोपण जैसा कोई पुरातात्विक या चिकित्सकीय प्रमाण कतई नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास मिथक को इतिहास बनाने का प्रयास है, जोकि सत्य व विज्ञान-विरोधी है।

कहाँ तक बहेगी ज्ञान की अविरल धारा



निर्मल रानी

जिसने रसाई के कचरे और गोबर से बायोगैस बनाकर पंप इंजन चलाया।

दरअसल जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है तभी से प्रधानमंत्री सहित ऊंचे ओहदे पर बैठे अनेक लोग इस तरह की अवैज्ञानिक व तर्कहीन बातें कर हमारे देश के छात्रों का भविष्य चौपट करने पर तुले हुए हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि यह लोग हिंदूवादी विचार के अशिक्षित लोगों को खुश करने के फेर में यह भूल जाते हैं कि यह उस अगली पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं जो भविष्य में देश की बागडोर संभालने वाली है। कभी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के पीएम नवोदय विद्यालय में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर छात्रों के साथ संवाद के दौरान यह ज्ञान साझा करते सुनाई देते हैं कि हनुमान जी पहले अंतरिक्ष यात्री थे। जबकि ऐतिहासिक रूप से पहले अंतरिक्ष यात्री सोवियत संघ के युरी गागरिन थे। ठाकुर के इस दावे को भी मिथक और अवैज्ञानिक व तर्कहीन बताते हुए खूब आलोचना की गई थी। इसी तरह राजस्थान हाईकोर्ट के जज न्यायमूर्ति महेश चंद्र शर्मा ने अपने रिटायरमेंट के अंतिम दिन मई 2017 को मीडिया से बातचीत में अपनी रजामांगीश बहाई। उन्होंने कहा कि प्योर आजीवन ब्रह्मचारी रहता है। इसके जो आंसू आते हैं, मोरनी उसे चुगकर गर्भवती होती है। 15 उसी समय पक्षी विशेषज्ञों ने इसे गलत व कोरा झूठ बताया था। क्योंकि मोर और मोरनी भी अन्य पक्षियों की ही तरह सामान्य संभोग से ही प्रजनन करते हैं।

सवाल यह है कि आज सूचना व संचार के आधुनिक युग में खासकर ए आई के दौर में ऐसी निरर्थक तर्कहीन व अवैज्ञानिक बातें कर यह महाज्ञानी लोग देश के युवाओं के भविष्य को कब तक अंधकारमय बनाते रहेंगे और कहाँ तक बहेगी ऐसे ज्ञान की अविरल धारा?

(ये लेखक को निजी विचार हैं)

चीनी की जगह मीठी गोलियों का प्रयोग क्यों!

चीनी की जगह इस्तेमाल की जाने वाली मीठी गोलियों का प्रचार कंपनियां बेहतर स्वास्थ्य का वास्ता देकर करती हैं, लेकिन रिसर्चों का दावा है कि यही मिठास आपको डायबिटीज दे सकती है। इन गोलियों को नॉन कैलोरिक आर्टिफिशियल स्वीटनर एनएएस भी कहते हैं। इनका इस्तेमाल उन पेय पदार्थों में भी किया जाता है जो डायट सोडा के नाम पर बाजार में उपलब्ध हैं। यहाँ तक खानपान की कई मीठी चीजें भी बाजार में शुरुआत कर चुकी हैं। इनमें भी मिठास इन्हीं एनएएस स्वीटनर से डाली जाती है। बचन के लिए चिंतित लोग इन दिनों बड़े स्तर पर इन गोलियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। जुबान पर मिठास छोड़ने के बाद इसके अणु आंतों में सोखे नहीं जाते। साफ है कि चीनी के अणुओं के मुकाबले इन्हें कैलोरी मुक्त क्यों माना जाता है। साइंस की नेचर पत्रिका में छपी रिपोर्ट के मुताबिक रिसर्चों का कहना है कि जब उन्होंने प्रयोगशाला में चूहे पर और कुछ इंसानों पर जांच की, तो इसके नुकसान पाए। उनके मुताबिक एनएएस आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया की क्रियाशीलता को प्रभावित करती है। रिसर्च पेपर में लिखा है कि हमारी रिपोर्ट में साफ जाहिर है कि एनएएस उसी बीमारी को बढ़ावा देती है, जिससे लड़ना उसका मकसद था। वैज्ञानिकों ने बताया कि कृत्रिम मिठास यानि एनएएस तीन तरह की होती हैं—एसपार्टेम, सूक्रालोज और सैकरीन।

पड़ा। अब इन दोनों ही तरह के चूहों के मल को उन रोडेंट्स को खिलाया गया, जिनकी खुद की आंतों में गट बैक्टीरिया नहीं होते। उन्होंने पाया कि कृत्रिम मिठास की गोलियाँ खाने वाले चूहों के मल को लेने वाले जीवों में ब्लड ग्लूकोस का स्तर तेजी से बढ़ गया। इसी टेस्ट को रिसर्चों ने मनुष्य पर भी आजमाया। उन्होंने सात ऐसे लोगों को, जो कृत्रिम मिठास का सेवन नहीं करते, सात दिनों तक एनएएस का इस्तेमाल कराया। उन्होंने पाया कि चार से सात दिन के अंदर उनके ब्लड शुगर के स्तर में वृद्धि हो गई और आंतों के बैक्टीरिया भी प्रभावित हुए। आज भारत में 4.5 करोड़ व्यक्ति डायबिटीज (मधुमेह) का शिकार हैं। इसका मुख्य कारण है असंयमित खानपान, मानसिक तनाव, मोटापा, व्यायाम की कमी। इसी कारण यह रोग हमारे देश में बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। डायबिटीज चयापचय से संबंधित बीमारी है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और ग्लूकोज का ऑक्सीकरण पूर्ण रूप से नहीं हो पाता है। इसका मुख्य कारण है इंसुलिन की कमी। इंसुलिन नामक हार्मोन पेनक्रियाज की आइसलैट ऑफ लैंगरहैंस द्वारा निकलता है, जो ग्लूकोज का चयापचय करता है। रक्त में ग्लूकोज की मात्रा सामान्य से ज्यादा तथा सामान्य से कम होना दोनों ही स्थितियाँ घातक सिद्ध होती हैं। इस रोग को प्रारंभिक अवस्था में आहार व्यायाम तथा दवाइयों द्वारा काबू में किया जा सकता है। डायबिटीज में आहार की भूमिका



ऐसे रोगियों के आहार की मात्रा कैलोरी पर निर्धारित रहती है, जो कि प्रत्येक रोगी की उम्र, वजन, लिंग, ऊँचाई, दिनचर्या व्यवसाय आदि पर निर्भर करती है। इसके आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की अलग-अलग आहार तालिका बनती है। हम यहाँ पर एक सामान्य डायबिटीज के रोगी की आहार तालिका दे रहे हैं। इसमें भोजन में समय एवं मात्रा पर विशेष ध्यान रखना अतिआवश्यक है। तभी आप इन सब चीजों को जानकर स्वस्थ रह सकते हैं और अपने परिवार को भी स्वस्थ रख सकते हैं।

—डॉ. फीचर्स

कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन भयावह

हालिया जलवायु सम्मेलनों में नेट-जीरो उत्सर्जन काफ़ी चर्चा में रहा। इसमें नेट शब्द का अर्थ है कि हम सिर्फ उत्सर्जन कम करने पर नहीं बल्कि कार्बन डाईऑक्साइड को वातावरण में हटाने पर भी ध्यान दें। एक विचार यह है कि सिर्फ उत्सर्जन कम करके हम 1.5 या 2 डिग्री वृद्धि का लक्ष्य नहीं पा सकेंगे। फिलहाल उड्डयन और नौपरिवहन ग्रीन हाउस गैसों के सबसे बड़े स्रोत हैं और आगे भी बने रहने की संभावना है। ऐसे में बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता है। इसलिए कार्बन डाईऑक्साइड रिमूवल (सीडीआर) की भी आवश्यकता है। सीडीआर का ऐतिहासिक तरीका पेड़ लगाना रहा है, लेकिन वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड हटाकर भूमि, समुद्र या अन्य स्थानों पर संग्रहित कर देना शायद अधिक टिकाऊ साबित हो।



वर्तमान में कई कंपनियाँ विभिन्न सीडीआर तकनीकों को जलवायु समाधान के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। इस विषय में प्राकृतिक कार्बन चक्र और हाल ही में सीडीआर तकनीकों पर काम कर रहे डेविड टी. हो लंबी अवधि के लिए सीडीआर तकनीकों को विकसित करने के पक्ष में तो हैं लेकिन थोड़े संशय में हैं। गौरतलब है कि पूर्व में डायरेक्ट एयर कैप्चर (डीएस) तकनीक का छोटे स्तर पर प्रदर्शन किया गया था जो रासायनिक तरीकों से कार्बन डाईऑक्साइड को वातावरण से बाहर करती है। इसके लिए 2022 में यू0एस00 बायपार्टीजन इंफ़्रास्ट्रक्चर कानून ने चार डीएसी विकसित करने के लिए 3.5 अरब डॉलर का अनुदान देने का भी निर्णय लिया था, लेकिन डेविड के अनुसार यह प्रयास तब तक व्यर्थ है जब तक प्रदूषणकारी

गतिविधियों को पूरी तरह से खत्म न कर दिया जाए। इसको इस तरह से समझें। हमें कार्बन डाईऑक्साइड के स्तर को कई वर्ष पहले की स्थिति में ले जाना है। प्रत्येक डीएसी सुविधा से प्रतिवर्ष 10 लाख टन कार्बन डाईऑक्साइड वातावरण से बाहर करने की उम्मीद है। अब देखिए कि 2022 में 40.5 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन हुआ है। यदि डीएसी संयंत्र वर्ष भर अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करते हैं तो इससे वातावरण की स्थिति को मात्र 13 मिनट पीछे ले जाया जा सकता है, लेकिन 13 मिनट में जितनी कार्बन डाईऑक्साइड हटाई जाएगी उतने ही

समय में बाकी गतिविधियों साल भर की कार्बन डाईऑक्साइड वापस वातावरण में उड़ेल देंगी। अब यह देखिए कि यदि हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए इन 8 अरब पेड़ों के परिपक्व होने के बाद हमारा वातावरण हर वर्ष 43 घंटे पीछे जा सकता है। कुल मिलाकर इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि सीडीआर तकनीकों की क्षमता कितनी सीमित है। ऐसे में सीडीआर तकनीकों को तत्काल समाधान के रूप में देखना उचित नहीं है। आने वाले समय में जलवायु समाधानों के लिए काफी धन आवंटित होने की उम्मीद है जिसका सही दिशा में उपयोग करना आवश्यक है। यदि हम

कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन के मौजूदा स्तर को लगभग 10 प्रतिशत यानी 4 अरब टन प्रति वर्ष तक कम करते हैं तो 10 लाख टन हटाने में सक्षम एक डीएसी संयंत्र हमें 13 मिनट के बजाय 2 घंटे से अधिक समय पीछे ले जाएगा। इस स्थिति को देखते हुए एक निर्धारित वर्ष में नेट जीरो हासिल करने के लिए पूरी तरह से अक्षय ऊर्जा द्वारा संचालित 4000 डीएसी सुविधाओं की आवश्यकता होगी। इस तरह से अवशिष्ट उत्सर्जन संभवतः हमारे वर्तमान कुल उत्सर्जन का 18 प्रतिशत होगा, इसलिए नेट-जीरो तक पहुंचने के लिए कई सीडीआर स्थापित करने होंगे। तकरीबन 7290 डीएसी

गौरतलब है कि पूर्व में डायरेक्ट एयर कैप्चर (डीएस) तकनीक का छोटे स्तर पर प्रदर्शन किया गया था जो रासायनिक तरीकों से कार्बन डाईऑक्साइड को वातावरण से बाहर करती है। इसके लिए 2022 में यू0एस00 बायपार्टीजन इंफ़्रास्ट्रक्चर कानून ने चार डीएसी विकसित करने के लिए 3.5 अरब डॉलर का अनुदान देने का भी निर्णय लिया था, लेकिन डेविड के अनुसार यह प्रयास तब तक व्यर्थ है जब तक प्रदूषणकारी गतिविधियों को पूरी तरह से खत्म न कर दिया जाए। इसको इस तरह से समझें। हमें कार्बन डाईऑक्साइड के स्तर को कई वर्ष पहले की स्थिति में ले जाना है। प्रत्येक डीएसी सुविधा से प्रतिवर्ष 10 लाख टन कार्बन डाईऑक्साइड वातावरण से बाहर करने की उम्मीद है। अब देखिए कि 2022 में 40.5 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन हुआ है। यदि डीएसी संयंत्र वर्ष भर अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करते हैं तो इससे वातावरण की स्थिति को मात्र 13 मिनट पीछे ले जाया जा सकता है, लेकिन 13 मिनट में जितनी कार्बन डाईऑक्साइड हटाई जाएगी उतने ही समय में बाकी गतिविधियाँ साल भर की कार्बन डाईऑक्साइड वापस वातावरण में उड़ेल देंगी।

हब बनाना पर्याप्त होगा। साथ ही, सीडीआर विधियों की खोज के लिए अधिक शोध की आवश्यकता है जो भूमि उपयोग और ऊर्जा खपत को कम करें तथा जिन्हें स्थाई और सस्ता बनाया जा सके। यह जरूरी नहीं कि प्रयोगशाला में सुचारू रूप से काम करने वाली तकनीकें वास्तविक दुनिया में भी सैबे हो काम करेंगी। इनमें से कुछ तकनीकें जैव विविधता और पर्यावरण के लिए हानिकारक भी हो सकती हैं। यह सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है कि सीडीआर वास्तव में कितना काम कर रहा है।

—साभार एएसएफ

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में तूफानों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 259 हुई मनीला। फिलीपींस में हाल ही में आए दो शक्तिशाली तूफानों से मरने वालों की संख्या बढ़कर 259 हो गई है और लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद (एनडीआरआरएमसी) ने बुधवार को कहा कि रिवार को आए शक्तिशाली तूफान फग-बोंग ने कम से कम 27 लोगों की जान ले ली, जबकि दो अन्य अभी भी लापता हैं। यह तूफान उत्तर-मध्य लुज़ोन क्षेत्र को पार करते समय काफी कमजोर पड़ गया था।

चीन का 758 मीटर लंबा नया होंगची ब्रिज देहा

चीन के सिंचुआन प्रांत में हाल ही में शुरू हुआ होंगची ब्रिज आंशिक रूप से दह गया। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह पुल राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाया गया था और इसकी लंबाई करीब 758 मीटर है। सोमवार दोपहर पुल के आसपास की पहाड़ी ढलानों और सड़कों पर दरारें दिखाई दीं। पहाड़ की जमीन खिसकने लगी तो प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से पुल को तत्काल बंद कर दिया। मंगलवार दोपहर हालात और बिगड़ गए। पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी खिसकने के बाद पुल का एक हिस्सा टूटकर ढह गया।

भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व श्रीलंकाई मंत्री गिरफ्तार

श्रीलंका के पूर्व पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री प्रसन्ना रणतुंगा को रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए गठित आयोग के अधिकारियों ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आयोग ने एक बयान में कहा कि रणतुंगा को 2021 में उनके कार्यकाल के दौरान कथित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आयोग के अनुसार यह मामला मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले चार संस्थानों के लिए एक नई बीमा योजना की खरीद से जुड़ा है।

यूनान के पूर्वोत्तर द्वीपों बारिश व ओलावृष्टि से भारी क्षति

यूनान के उत्तर-पूर्वी एजियन द्वीपों में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश और ओलावृष्टि होने से बाढ़ आई गई है और इसके कारण घरों, व्यवसायों और फसलों को काफी नुकसान हुआ है। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लेसबोस द्वीप पर कल्लोनी शहर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। त्सिकनियान नदी के उफान पर आने से यहां की सड़कें, घर और कई दुकानें जलमग्न हो गईं। कुछ इलाकों में बाढ़ का पानी 1-3 मीटर तक पहुंच गया, जबकि आपातकालीन दल इमारतों से पानी निकालने के लिए घंटों काम करते रहे।

मुंबई जैसा शहर बन जाएगा न्यूयॉर्क: बैरी

स्टर्नलिवट अमेरिकी अरबपति ने ममदानी की जीत पर जताई चिंता

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क सिटी के मशहूर रियल एस्टेट अरबपति बैरी स्टर्नलिवट ने आशंका जताई है कि ममदानी की लीडरशिप में शहर हालात बदतर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क भी मुंबई के जैसा बन सकता है। दरअसल ममदानी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान कई बड़े वादे किए थे। इनमें घरों के किराए को प्रोत्साहित करना यानी बढ़ने से रोकना, शहर में मुफ्त बस सर्विस शुरू करना और छोटे बच्चों के लिए मुफ्त चाइल्डकेयर देना शामिल है। इसे लेकर स्टर्नलिवट का मानना है कि किराया प्रोत्साहित करने और किरायेदारों को ज्यादा खूट देने से मकान मालिकों की हालत खराब हो जाएगी। उन्होंने कहा: अगर एक किरायेदार किराया नहीं देता और उसे निकाला नहीं जा सकता, तो बाकी लोग भी नहीं देंगे। धीरे-धीरे पूरा सिस्टम टूट जाएगा और न्यूयॉर्क, मुंबई जैसा बन जाएगा। स्टारवुड कैपिटल ग्रुप के सीईओ स्टर्नलिवट ने कहा कि न्यूयॉर्क में पहले से ही रियल एस्टेट की लागत बहुत ज्यादा है और इसका एक बड़ा कारण मजदूर यूनियन है। इन यूनियनों की वजह से किसी भी प्रोजेक्ट



कहा: उनके फैसले से शहर बदतर हो जाएगा

की लागत बढ़ जाती है और आम लोगों के लिए घर बनाना या खरीदना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क में हर प्रोजेक्ट यूनियन के साथ करना पड़ता है, जिससे लागत बहुत बढ़ जाती है। यही वजह है कि यहां घर इतने महंगे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ममदानी सही मुद्दों की बात तो कर रहे हैं, जैसे कि शहर में ज्यादा घर बनाना जरूरी है, लेकिन इसे करना आसान नहीं होगा। उनके मुताबिक, अगर सरकार जरूरी मदद नहीं देगी और यूनियन अपने नियमों में

ढील नहीं देंगे, तो नए घर बनाना आर्थिक रूप से असंभव होगा। स्टर्नलिवट ने सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने यह दिलाया कि ममदानी पहले पुलिस विभाग के बजट में कटौती की बात कर चुके हैं। अगर लोगों को लगेगा कि उनके बच्चे सड़क पर सुरक्षित नहीं हैं, तो वे शहर छोड़ देंगे। अगर पुलिस को सम्मान और समर्थन नहीं मिला तो हालात बिगड़ जाएंगे। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी पहले ही मिडटाउन मेनहटन से अपना दफ्तर शिफ्ट करने पर विचार कर रही है। आखिर में स्टर्नलिवट ने कहा कि उम्मीद है ममदानी इतिहास से सीखेंगे, क्योंकि समाजवाद अब तक दुनिया में कहीं भी सफल नहीं हुआ है। जोहरान ममदानी ने 4 नवम्बर को न्यूयॉर्क में चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुवो को हराया। ममदानी पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर होंगे। उनका शपथ ग्रहण 1 जनवरी को होगा। ममदानी खुद को 'डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट' कहते हैं, यानी वे कांफ़ेडरल डिमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं की नीतियों के पक्षधर हैं।



नई दिल्ली। आईएसबीटी के पास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) छत्राभ श्रेणी में रहने के कारण राजधानी की सड़कों पर धुंध की मोटी परत छाई।

गाजा सिटी में शेख रादवान क्लीनिक के इलाके से 20 शव बरामद

गाजा। गाजा के नागरिक सुरक्षा विभाग ने कहा है कि उसकी टीमों ने गाजा सिटी स्थित शेख रादवान क्लिनिक के पास 20 शव बरामद किए हैं। विभाग ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि ये शव क्लिनिक की परिधि में बेतरतीब ढंग से दबे हुए पाए गए थे और इनमें से ज्यादातर अज्ञात हैं। बयान में कहा गया है कि इलाके में लापता बताए गए अन्य लोगों की तलाश जारी है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा

कि पिछले 24 घंटों में एम्बुलेंस को अस्पतालों में तीन शव और कई घायल लोग आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, 10 अक्टूबर को संघर्ष विराम लागू होने के बाद से 245 लोग मारे गए हैं और 623 अन्य घायल हुए हैं। बचाव दल ने एम्बुलेंस के विभिन्न हिस्सों से 529 शव बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सात अक्टूबर 2023 से गाजा युद्ध में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 69182 हो गई है और 170694 अन्य घायल हुए हैं।

एच-1बी वीजा पर नरम पड़े ट्रम्प के तेवर

कहा: अमेरिका को चाहिए टैलेंट, सिर्फ बेरोजगारों पर निर्भर नहीं रह सकते

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने अब तक के सख्त रुख से पीछे हटते हुए कहा है कि देश को विदेशी कुशल लोगों की जरूरत है। उन्होंने माना कि अमेरिका केवल लंबे समय से बेरोजगार बैठे लोगों पर निर्भर रहकर अपनी इंडस्ट्री और टेक्नोलॉजी को आगे नहीं बढ़ा सकता। कि देश में कई अहम नौकरियों के लिए पर्याप्त टैलेंट लोग नहीं हैं, इसलिए विदेशी स्किलड वर्कर्स की जरूरत पड़ती है।



नई वीजा नीति में लाया गया बड़ा बदलाव अमेरिका को अपने उद्योगों और रक्षा क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले लोगों की जरूरत है: ट्रम्प

भारत, अमेरिका और जापान के साथ मालाबार 2025 में ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हुआ

नई दिल्ली। भारत, जापान और अमेरिका के साथ मालाबार अभियान में ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हो गया है। यह एक प्रमुख समुद्री अभियान है जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते रणनीतिक सहयोग को दर्शाता है। यह अभियान क्षेत्रीय साझेदारों के बीच अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाने और समुद्री क्षेत्र में सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मालाबार अभियान ऑस्ट्रेलिया और हमारे सहयोगी देशों को साझा चुनौतियों का समाधान कर, सामूहिक क्षमताओं को समन्वित करके और वैश्विक जुड़ाव में कमियां को दूर हिंद-प्रशांत सुरक्षा को मजबूत करने में सक्षम बनाता है। संयुक्त अभियानों के प्रमुख, वाइस एडमिरल जस्टिन जॉन्स एफओ, सीएससी, आरएएन ने कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियां तेजी से विकसित हो रही हैं इसलिए साझेदारियों और संयुक्त अभियान पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि अमेरिका में पहले से काफी प्रतिभाशाली लोग हैं, तो ट्रम्प ने कहा कि नहीं, ऐसा नहीं है। कुछ खास रिस्कल एंजी हैं जो हमारे पास नहीं हैं। आप बेरोजगारों को सीधा नहीं कह सकते कि चलो, अब मिसाइल

उन्होंने कहा कि बैटरियां बनाना बहुत जटिल और खतरनाक काम है। कई विस्फोट की घटनाएं होती हैं। कोरिया से आए लोग इस काम में माहिर थे और वही विशेषज्ञता वाले लोगों की जरूरत है: ट्रम्प

भारत, अमेरिका और जापान के साथ मालाबार 2025 में ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हुआ

नई दिल्ली। भारत, जापान और अमेरिका के साथ मालाबार अभियान में ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हो गया है। यह एक प्रमुख समुद्री अभियान है जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते रणनीतिक सहयोग को दर्शाता है। यह अभियान क्षेत्रीय साझेदारों के बीच अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाने और समुद्री क्षेत्र में सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मालाबार अभियान ऑस्ट्रेलिया और हमारे सहयोगी देशों को साझा चुनौतियों का समाधान कर, सामूहिक क्षमताओं को समन्वित करके और वैश्विक जुड़ाव में कमियां को दूर हिंद-प्रशांत सुरक्षा को मजबूत करने में सक्षम बनाता है। संयुक्त अभियानों के प्रमुख, वाइस एडमिरल जस्टिन जॉन्स एफओ, सीएससी, आरएएन ने कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियां तेजी से विकसित हो रही हैं इसलिए साझेदारियों और संयुक्त अभियान पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

भूटान के चतुर्थ नरेश वांगचुक से मिले मोदी

कालचक्र अनुष्ठान का उद्घाटन किया

थिम्पू (भूटान)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यहां थिम्पू में भूटान के चतुर्थ नरेश जिग्मे सिंगे वांगचुक से मुलाकात की और उन्हें 70 वीं जयंती के अवसर पर बधाई दी। दो दिन की यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे मोदी ने नरेश वांगचुक को बधाई देते हुए सरकार और लोगों की ओर से नरेश के निरंतर अच्छे स्वास्थ्य एवं कुशलता को कामना की। प्रधानमंत्री ने भारत-भूटान मैत्री को और सुदृढ़ बनाने में उनके नेतृत्व, परामर्श और मार्गदर्शन के लिए उनका धन्यवाद किया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने दोनों देशों के लोगों को करीब लाने वाले साझा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों के महत्व पर बल दिया। मुलाकात के बाद मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि महामहिम चतुर्थ ड्रुक ग्यालपो के साथ एक अद्भुत बैठक हुई। भारत-भूटान संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में वर्षों से उनके व्यापक प्रयासों की सराहना की। ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और संपर्क में सहयोग पर चर्चा की। गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना में प्रगति की सराहना

की, जो हमारी एक ईस्ट नीति के अनुरूप है। मोदी थिम्पू में चल रहे वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के एक भाग के रूप में चांगलिमथांग स्टेडियम में कालचक्र दीक्षा समारोह में भूटान नरेश, भूटान के चतुर्थ नरेश और भूटान के प्रधानमंत्री के साथ शामिल हुए और इस का उद्घाटन किया। प्रार्थना की अध्यक्षता भूटान के मुख्य मठाधीश परम पावन जे खेंपो ने की। बाद में मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भूटान के राजा महामहिम जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और महामहिम चतुर्थ ड्रुक ग्यालपो के साथ कालचक्र 'समय का पहिया' अभिषेक का उद्घाटन करने का सम्मान प्राप्त हुआ। इसकी अध्यक्षता परम पावन जे खेंपो ने की, जिसने इसे और भी विशेष बना दिया। यह दुनिया भर के बौद्धों के लिए महान सांस्कृतिक महत्व वाला एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। कालचक्र अभिषेक चल रहे वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव का एक हिस्सा है, जिसने बौद्ध धर्म के भक्तों और विद्वानों को भूटान में एक साथ लाया है।

अमेरिकी विमानवाहक पोत कैरिबियन पहुंचा

वाशिंगटन। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत, यूएसएस गेरोल्ड आर. फोर्ड, कैरिबियन सागर में पहुंच गया है। अमेरिकी नौसेना ने यह जानकारी दी है। इससे यह अटलैंटिक तेंज हो गई है कि ट्रंप प्रशासन मादक पदार्थ-आतंकवाद विरोधी अभियान के तहत वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मद्रुरो को निशाना बना रहा है। गेरोल्ड आर. फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती के साथ कैरिबियन में अमेरिकी सेना की संख्या बढ़कर अब 15000 से अधिक हो गई है जो इस क्षेत्र में दशकों में सबसे बड़ा सैन्य जमावड़ा है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पॉर्नेल ने कहा कि ये सुरक्षा बल मादक पदार्थों को तस्करी को रोकने और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक संगठनों को कम करने तथा उन्हें खत्म करने के

वेनेजुएला के साथ तनाव बढ़ा

लिए मौजूदा क्षमताओं को बढ़ाएंगे। लगभग 4000 से ज्यादा नाविकों और दर्जनों सामरिक विमानों को ले जाने वाले यह प्रथम श्रेणी का वाहक अपने अभियानों में सहायता के लिए दिन-रात एक साथ स्थिर-पंख वाले विमानों को उड़ान भरने और उतरने में मददगार है। बयान में कहा गया है कि गेरोल्ड आर-फोर्ड के साथ स्ट्राइक समूह में कैरियर एयर विंग आठ के नौ स्क्वाड्रन, विध्वंसक स्क्वाड्रन दो के आठ बर्क-श्रेणी के निदेशित-मिसाइल विध्वंसक यूएसएस बैनब्रिज और यूएसएस महान, और एकीकृत वायु एवं मिसाइल रक्षा कमान जहाज यूएसएस विस्टन एस. चर्चिल शामिल हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान (साउथकोम) के कमांडर एडमिरल एल्विन हॉल्सी ने कहा कि यह तैनाती पश्चिमी गोलार्ध और अमेरिकी भूमि की सुरक्षा के हमारे संकल्प को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। गौरतलब है कि दो सितंबर के बाद से अमेरिकी सेना ने कैरिबियन और पूर्वी प्रशांत महासागर के अंतर्राष्ट्रीय जलमग्न क्षेत्रों में संचालित तैराक पर मादक पदार्थों को ले जा रही 19 नौकाओं को डुबो दिया है। इस अभियान में उनमें सवार कम से कम 76 लोग मारे गए हैं। राष्ट्रपति मद्रुरो ने बार-बार अमेरिकी कार्रवाइयों की निंदा करते हुए इसे अपनी सरकार को अपदस्थ करने और लैटिन अमेरिका में अमेरिकी सैन्य प्रभाव का विस्तार करने का प्रयास बताया है।

शटडाउन के बीच गहराया मूख का संकट

वाशिंगटन। अमेरिका में जारी सरकारी शटडाउन के चलते अब मूख का संकट गहरा होता दिख रहा है। कारण है कि एक तरफ जहां शटडाउन के जल्दी खत्म होने की बात खूब सुविख्यां बंद हो रही है।



अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम योजना के पूर्ण भुगतान पर लगी अस्थायी रोक को कुछ और दिनों के लिए बढ़ाया-

तो दूसरी ओर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनएपी) यानी खाद्य सहायता योजना के पूर्ण भुगतान पर लगी अस्थायी रोक को कुछ और दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अदालत का यह आदेश गुरुवार रात तक प्रभावी रहेगा। यह फैसला ऐसे समय आया है जब संकेत मिल रहे हैं कि सरकारी शटडाउन जल्द खत्म हो सकता है और इससे करोड़ों लोगों को मिलने वाली फूड

सहायता बहाल हो सकती है। एसएनएपी कार्यक्रम के तहत करीब 4.2 करोड़ अमेरिकी नागरिकों को खाने-पीने की चीजें खरीदने में मदद मिलती है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट के इस कदम से राज्यों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। कुछ राज्यों में लाभाधारियों को पूरा मासिक राशन मिल चुका है, जबकि कुछ को आंशिक या बिल्कुल नहीं मिला। अदालत ने फिलहाल कोई बड़ा कानूनी फैसला देने से परहेज करते हुए

स्थिति को अस्थायी रूप से यथावत रखा है। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में कुछ लोगों को नवम्बर का पूरा लाभ मिल गया, लेकिन कई लोगों को अब तक कुछ नहीं मिला। 41 वर्षीय जिम मलियाई जो अपनी बीमार पत्नी और बेटी को देखभाल करते हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें पिछले दो हफ्तों से 350 डॉलर की मासिक एसएनएपी सहायता नहीं मिली। अब उनके पास सिर्फ +10 बचे हैं और परिवार चावल व इस्टेंट नूटल्स पर गुजारा कर रहा

है। उन्होंने कहा कि हर रात खर्च गिनता हूँ ताकि परिवार का पेट चल सके। चिंता मेरी सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है। इस संकट के बीच कई आम नागरिक मदद के लिए आगे आए हैं। न्यूयॉर्क की शिक्षिका एशली आक्सनकोर्ड ने अपने घर के सामने 'लिटिल फूड पैट्री' लगाई ताकि जरूरतमंद पड़सियों को साथ मिल सकें। बता दें कि ट्रम्प प्रशासन ने शटडाउन के कारण अक्टूबर के बाद एसएनएपी फंडिंग रोकने का निर्णय लिया था, जिससे देशभर में मुकदमे शुरू हो गए। कुछ अदालतों ने सरकार को कम से कम आंशिक भुगतान करने का आदेश दिया, जिसके बाद प्रशासन ने 65 प्रतिशत तक लाभ देने की बात मानी।

अफगान में फिर हमला कर सकता है पाक

राजधानी इस्लामाबाद में धमाके के बाद रक्षा मंत्री आसिफ बोले: हम कार्रवाई पर मजबूर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि अफगानिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की जा सकती है। ख्वाजा ने यह बयान मंगलवार को इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में हुए हमलों के बाद दिया। एक इंटरव्यू में जब आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान इन हमलों का जवाब देगा, तो उन्होंने कहा खुदा ने चाहा तो जरूर जवाब देगा। अफगानिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमले को नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि मंगलवार को हुए हमलों के बाद पाकिस्तान कार्रवाई करने पर मजबूर है। इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमलों में 12 लोगों की मौत हो गई और 36 लोग घायल हुए। आत्मघाती बम विस्फोट को लेकर प्रधानमंत्री आतंकी शरीफ और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अलग-अलग दावे किए हैं। पीएम शहबाज



अफगानिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमले को नकारा नहीं जा सकता

ने इस हमले के लिए भारत को जिम्मेदार बताया है। जबकि रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान सरकार पर हमले का आरोप लगाया। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान में आतंकीय शरीफ और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अलग-अलग दावे किए हैं। पीएम शहबाज

आतंकीयों को पाकिस्तान में भेजा गया। अब ये लोग अलग-अलग इलाकों में मौजूद हैं। मरने वाले आतंकीयों में 55 प्रतिशत अफगानी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान आशवासन पर भरोसा नहीं कर सकता, क्योंकि अफगान सरकार पर उनके अपने लोग भी भरोसा नहीं करते। इस्लामाबाद धमाके से एक दिन पहले पाकिस्तानी आर्मी ने खैबर पख्तूनख्वा के वाना शहर में एक आर्मी कालेज पर आतंकी हमले की साबितिश को नाकाम किया था। एजेंसी एपी (एपी) के मुताबिक, 6 पाकिस्तानी तालिबान लड़ाके इस कालेज पर हमला करने पहुंचे थे। वाना इलाका लंबे समय से पाकिस्तानी तालिबान, अल-कायदा और अन्य चरमपंथी संगठनों का गढ़ माना जाता है। सेना की कार्रवाई में 2 आतंकी मारे गए थे, जबकि 3 आतंकी कालेज कैम्प में घुसने के बाद एक इमारत में घिर गए।

जॉर्जिया में विमान दुर्घटना, तुर्की के सभी 20 सैनिकों की मौत

अंकारा। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त सी-30 मालवाहक विमान में सवार सभी 20 सैनिकों की मौत हो गई है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद तुर्की और जॉर्जिया के अधिकारियों ने समन्वित खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया। जॉर्जिया के गृह मंत्रालय के अनुसार अजर्बैजान से तुर्की जा रहे इस विमान का जॉर्जियाई हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के 27 मिनट बाद रडार से संपर्क टूट गया और यह अजर्बैजानी सीमा से लगभग पांच किलोमीटर दूर जॉर्जिया के सिग्नागी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

कैंसर से लड़ाई में इन्सान को मिल रहा बैटरीया का साथ

नई दिल्ली। शरीर के किसी भाग में बाहर से बैटरीया डालने की बात सुन कर किसको डर नहीं लगेगा? कारण है कि बैटरीया की बात होते ही उससे पैदा होने वाली न्यूमोनिया और हैजा जैसी गंभीर बीमारियां याद आ जाती हैं। लेकिन अब कैंसर जैसी दुस्साध्य बीमारी से लड़ाई में बैटरीया को एक कारगर हथियार के रूप में विकसित किया जा रहा है। वैज्ञानिक कैंसर के इलाज में बैटरीया के प्रयोग पर काम कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे जल्द ही बैटरीया को इस प्रकार साधन में सफल हो जाएंगे कि शरीर में डाले गए बैटरीया कैंसरग्रस्त कोशिकाओं को तेजी से ढूँढ-ढूँढ कर नष्ट करने वाली जीती-जागती मशीन बन जाएंगे। यही नहीं, बैटरीया अपना काम पूरा कर बिना कोई और असर छोड़े लुप्त हो जाएंगे। वेबसाइट 'द कन्वेंशन' में प्रकाशित जोसेफिन राइट और सुसम बुड्स की एक अनुसंधान रिपोर्ट में बैटरीया से कैंसर चिकित्सा जैसे इस जटिल विषय पर प्रकाश डाला गया है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ
पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अपीम, चरस, डोडे पोस्ट इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108